RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 12 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 139 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

हाईकोर्ट ने बढ़ रहे अवैध निर्माण पर जताया अफसोस

कहा- बदल देंगे 'अब कुछ नहीं होगा' की धारणा...

बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को इस बात पर अफसोस जताया कि लंबे समय से अवैध निर्माण तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन अब इस रवैये को बदलने का समय आ गया है कि ऐसी संरचनाओं को कुछ नहीं होगा। अदालत ने महाराष्ट्र सराकर से पूछा कि क्या इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए कोई समाधान है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि 23 कब्जाधारियों को 'कुछ नहीं होगा' कहते हुए फ्लैट लेने के लिए राजी कर लिया गया। लेकिन 'अब हम इसे बदल देंगे...'कुछ तो होगा'। सोमवार को मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि स्थिति की गंभीरता ऐसी है कि इमारत में बिजली और पानी दोनों की आपूर्ति है जो अवैध रूप से खरीदी गई है। न्यायमूर्ति पटेल ने कहा, 'हमें व्यक्तियों पर उंगली उठाना बंद करना होगा। आज, व्यक्ति लाभ उठा रहा है। मैं निर्माण कर रहा हूं कि वे क्या करेंगे या हम देखेंगे। क्योंकि कई लोग ऐसा कर रहे हैं और वे इससे बच रहे हैं।' पीठ ने कहा कि कई बार व्यक्ति दीवानी अदालतों का रुख करता है और नगर निकाय अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित किसी भी दंडात्मक कार्रवाई के खिलाफ स्थगन आदेश प्राप्त करता है।

न्यायमूर्ति पटेल ने कहा, 'हमें व्यक्तियों पर उंगली उठाना बंद करना होगा। आज, व्यक्ति लाभ उठा रहा है। मैं निर्माण कर रहा हूं कि वे क्या करेंगे या हम देखेंगे। क्योंकि कई लोग ऐसा कर रहे हैं और वे इससे बच रहे हैं।'

न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति कमल खाता की खंडपीठ ने कहा कि एक अदालत के रूप में वह अब यह संदेश देना चाहती है कि इस तरह के बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण को उसकी निगरानी में नहीं होने दिया जाएगा। पीठ ने पिछले महीने नवी मुंबई में अनधिकृत चार मंजिला आवासीय इमारत के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया था। इमारत के 29 फ्लैटों में से 23 पर कब्जा है, पांच पर ताला लगा हुआ है जबकि एक खाली है।

न्यायमूर्ति पटेल ने कहा, 'इसे रोकने की जरूरत है। हमारा मानना है कि हमें बिना किसी देरी के कार्रवाई करनी चाहिए। मैं एक संदेश देना चाहता हूं कि हम अपनी निगरानी में ऐसा नहीं होने देंगे। हम अपनी निगरानी में इसकी अनुमति नहीं देंगे। ऐसी ज्यादातर चीजें अदालतों की वजह से हुई हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें खुद से कुछ कड़े सवाल पूछने होंगे। हर बार जब यह कहा जाता है कि लोग अदालत में आते हैं और स्थगन आदेश प्राप्त करते हैं। अब मैं सबटेक्स्ट को संबोधित कर रहा हूं। इस (नवी मुंबई इमारत) मामले को देखिए।

सीएम शिंदे ने मराठा आरक्षण पर सहमति के लिए बुलाई सर्वदलीय बैठक,

बोले- 'जल्दबाजी में कोई...'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार (11 सितंबर) को कहा कि राज्य सरकार मराठा समुदाय को पुख्ता तरीके से आरक्षण देना चाहती है. जो कानून की कसौटी पर खरा उतरे, लेकिन इसके लिए हड़बड़ी में निर्णय नहीं लिया जाएगा. इस मुद्दे पर सोमवार (11 अगस्त) को एक सर्वदलीय बैठक होनी है. उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार बैठक में इस बारे में व्यापक आम-सहमति बनाने का प्रयास करेगी कि मराठाओं और अन्य समुदायों द्वारा उठाये गये मुद्दों पर कैसे आगे बढ़ा जाए. सीएम एकनाथ शिंदे ने मुंबई में मीडिया से कहा, 'राज्य सरकार मराठा समुदाय को ऐसा आरक्षण देना चाहती है जो पुख्ता हो और कानून की कसौटी पर खरा उतरे. हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं कर रहे. राज्य सरकार किसी के साथ धोखाधड़ी नहीं करना चाहती.' उन्होंने कहा कि सरकार को यह साबित करना होगा कि मराठा समुदाय सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा है, साथ ही अन्य समुदायों को यह विश्वास दिलाना होगा कि उनका आरक्षण किसी भी रूप में प्रभावित नहीं होगा. देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'राज्य के प्रमुख के तौर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है. एजेंडा मराठा आरक्षण के मुद्दे पर व्यापक आम-सहमति बनाना है. कई संगठनों ने भी आरक्षण की मांग की है.' पिछले 14 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के पानी पीना बंद करने के फैसले के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, 'सरकार को ऐसा निर्णय लेना होगा जो कानून की कसौटी पर खरा उतरे, अन्यथा समुदाय हमें उन्हें गुमराह करने के लिए जिम्मेदार ठहराएगा.'

'मराठा आरक्षण की मांग एक सामाजिक मुद्दा'

मुंबई में सोमवार (11 सितंबर) शाम होने वाली सर्वदलीय बैठक से उम्मीदों के सवाल पर मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, 'मराठा आरक्षण की मांग एक सामाजिक मुद्दा है, राजनीतिक नहीं. मुझे उम्मीद है कि विपक्षी दल भी कुछ सुझाव रखेंगे और मुद्दे के राजनीतिकरण से बचेंगे.' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मराठा समुदाय के विद्यार्थियों को अन्य पिछड़ा समुदायों के समतुल्य कई सुविधाएं और वित्तीय सहायता दे रही है. डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार आरक्षण मुद्दे को राजनीतिक रंग दिये बिना विभिन्न समुदायों की मांगों पर ध्यान देगी और राज्य के हित में एक निर्णय पर पहुंचने का प्रयास करेगी.

PPE किट घोटाला: पुलिस ने मुंबई की पूर्व मेयर से दो घंटे तक की पूछताछ,

BJP नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था मामला

मुंबई : मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने कोविड-19 पीड़ितों के लिए बॉडी बैग की खरीद में कथित घोटाले के सिलसिले में पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर से सोमवार को दो घंटे तक पूछताछ की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पेडनेकर और दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद यह पहला मौका है, जब पुलिस ने पेडनेकर से पूछताछ की। पेडनेकर सुबह करीब 11 बजे यहां ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचीं और दोपहर करीब एक बजे वहां से निकलीं।

ईओडब्ल्यू ने भाजपा नेता किरीट सोमैया की शिकायत के आधार पर शिवसेना (यूबीटी) से जुड़ीं पेडनेकर और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120 (बी) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया था। यह आरोप लगाया गया था कि महामारी के दौरान बीएमसी द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंधन और मृत कोरोना वायरस रोगियों के लिए बॉडी बैग, मास्क और अन्य वस्तुओं की खरीद में धन का दुरुपयोग और अनियमितताएं हुईं। पेडनेकर नवंबर 2019 से मार्च 2022 तक मुंबई की महापौर थीं, जब बीएमसी की आम सभा का कार्यकाल समाप्त हो गया था। नए सिरे से निकाय चुनाव होने बाकी हैं। बंबई उच्च न्यायालय ने छह सितंबर को पेडनेकर को चार सप्ताह के लिए गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान करते हुए कहा था कि मामले की जांच जारी है और इस समय हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत नहीं है।

इंडिगो के यात्री पर मुंबई-गुवाहाटी की उड़ान में सहयात्री के कथित यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज

मुंबई : विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ान से यहां से गुवाहाटी जा रहे एक यात्री को विमान में एक सहयात्री का कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने के मामले में गुवाहाटी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। एयरलाइन ने सोमवार को यह जानकारी दी। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि शिकायतकर्ता ने स्थानीय पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करायी है तथा एयरलाइन जरूरत पड़ने पर जांच में सहयोग करेगी। वैसे एयरलाइन ने इस घटना के बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया है। उसने कहा, ''(इंडिगो की उड़ान) 6ई-5319 से यात्रा कर रहे एक यात्री को एक अन्य यात्री की ओर से कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत मिलने पर गुवाहाटी पहुंचने पर पुलिस के हवाले कर दिया गया।''

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 12 सितंबर 2023

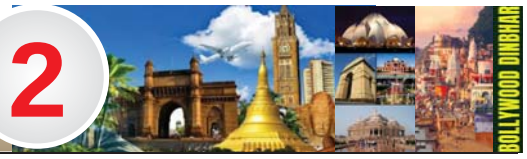

संपादकीय / लेख

देश के नाम पर अनावश्यक विवाद...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

'बहुत साल पहले हमने नियति के साथ वादा किया था और अब समय आ गया है जब हम अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करेंगे...एक क्षण आता है, जो इतिहास में बहुत ही दुर्लभ होता है, जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब लंबे समय से दबे हुए एक राष्ट्र के आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है।' यह संदर्भ 14 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि को दिए गए भाषण का एक अंश है, जो भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दिया था। यह वक्तव्य हमारे स्वाधीनता संग्राम के दौरान उन सपनों की प्रतिध्वनि थी, जो स्वामी विवेकानंद, बाल गंगाधर तिलक, महर्षि अरविंद, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और डा. आंबेडकर जैसे मनीषियों ने देखा था। उन विभूतियों का सपना ऐसे स्वतंत्र भारत का था, जिसका तंत्र अर्थात संरचना, विचार, अस्तित्व–पहचान सदियों की गुलामी के पट्टे को फेंककर नया बनेगा, मगर जी–20 से संबंधित आयोजन में देश के नाम 'भारत' को 'इंडिया के बरक्स रखकर जिस तरह से अनर्गल विवाद खड़ा किया जा रहा है और 'भारत' शब्द को जिस तरह हिकारत से प्रस्तुत किया जा रहा है, उससे हमारे स्वाधीनता सेनानियों का आत्मा कराह रही होगा। क्या हो हमारे देश का नाम? भारत या इंडिया? आखिर इंडिया के स्थान पर भारत को प्राथमिकता क्यों न मिले?

संविधान के अंग्रेजी संस्करण में स्पष्ट है कि इंडिया यानी भारत, राज्यों का संघ होगा। हिंदी प्रति में लिखा गया है, भारत अर्थात इंडिया, राज्यों का संघ होगा। संविधान सभा में 'भारत बनाम इंडिया' पर जोरदार बहस चली थी। कई लोगों का कहना था कि 'इंडिया' शब्द में गुलामी की गंध है, लेकिन भारत के साथ–साथ इंडिया शब्द को भी अपना लिया गया। इसके पीछे शायद औपनिवेशिक शासन का अचेतन मनोवैज्ञानिक दबाव रहा हो। जिस इंडिया शब्द के समर्थन में इतनी हायतौबा मच रही, वह ग्रीक भाषा से आया है। ईसा पूर्व पांचवीं सदी में ग्रीक लोगों ने सिंधु नदी के लिए 'इंडस' और इस क्षेत्र के लोगों को 'इंडी'या 'इंडोई' कहा। यूनानी विद्वान हेरोडोटस ने 'इंडी' शब्द का इसी रूप में प्रयोग किया है। यही 'इंडी' शब्द दूसरी–तीसरी सदी में लैटिन भाषा में 'इंडिया' बना। अभी तक इस शब्द का अर्थ भौगोलिक क्षेत्र न होकर यहां के निवासी थे। नौवीं सदी में यह अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषाओं में प्रचलित हुआ। धीरे–धीरे 'इंडिया' का प्रयोग भौगोलिक भूभाग के लिए भी होने लगा।

इतिहासकार इयान जे. बैरो अपने लेख 'फ्राम हिंदुस्तान टू इंडिया नेमिंग चेंज इन चेंजिंग नेम्स' में लिखते हैं कि 18वीं शताब्दी से अंग्रेजों ने 'इंडिया' शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया था। 'इंडिया' शब्द का प्रयोग दरअसल भारत को मनोवैज्ञानिक–सांस्कृतिक रूप से पराधीन बनाने का एक उपक्रम भी था। इस प्रकार अंग्रेजी औपनिवेशिक–साम्राज्यवादी शासन की देन 'इंडिया' शब्द में ब्रिटिश गुलामी की गंध छिपी हुई है। 'इंडिया' शब्द में 'कुलीनता' का भाव भी झलकता है, जो इस देश की आम जनता, किसान, मजदूर और अन्य निम्न वर्ग को समाहित करता हुआ नहीं दिखता। समाज भाषा विज्ञान की दृष्टि से भी इंडिया शब्द से इस देश की किसी सांस्कृतिक परंपरा, भावबोध या अर्थवत्ता का परिचय नहीं मिलता। 'इंडिया' के बरक्स 'भारत' अभिधान को देखें तो यह ज्यादा प्राचीन है। 'भारत' का मूल शब्द 'भरत' का उल्लेख कम से कम 3,500 वर्ष पहले ऋग्वेद में मिलता है। भौगोलिक भूभाग के रूप में 'भारत' या 'भारतवर्ष' ब्रह्मपुराण और विष्णुपुराण में मिल जाता है जिसे अधिकांश विद्वान ईसापूर्व छठी सदी का ग्रंथ मानते हैं। इसके अलावा वायु पुराण और महाभारत में इस क्षेत्र का नाम भारत या भारतवर्ष ही है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

चंदन बाग के राजा का भव्य आगमन...

खराब सड़कों के कारण बप्पा के भक्त हुए नराज...

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी शहर के कामतघर स्थित चंदन बाग में गणपति बाप्पा का भव्य आगमन ढोल ताशे और आतिष बाजी के बीच हुआ ! बता दे कि पिछले 34 वर्षो से स्वर्गीय पंडित नाना मित्रमंडल द्वारा परिसर में गणेश भगवान की स्थापना की जाती है जहां पर हजारों की संख्या में भक्तगण दर्शन लेने आते है ! मंडल द्वारा हर वर्ष देश के अलग अलग प्रसिद्ध मंदिरो की झांकिया तैयार की जाती है ,जो व्यक्ति इन बडे.बडे.मंदिरों के दर्शन हेतु नहीं पहुंच पाते है वो गणेश उत्सव के दौरान भिवंडी में मंदिरो के दर्शन कर लेते है इसी को देखते हुए स्वर्गीय पंडित नाना मित्रमंडल के संस्थापक अध्यक्ष साईनाथ भाऊ पवार ने इस वर्ष बद्रीनाथ मंदिर की झांकी तैयार की है जिसकी चर्चा भिवंडी के आसपास व ग्रामीण क्षेत्रों में है ! साथ ही बाप्पा की मूर्ति को लाने में गड्ढों के कारण काफी तकलीफों का सामना करना पड़ा जिससे भक्तो में रोष व्याप्त है वहीं साईनाथ भाऊ पवार ने नाराजगी जताई ! वहीं बप्पा के आगमन में पूर्व नगरसेवक नीलेश चौधरी ,साईनाथ पवार ,विराज पवार सहित हजारों की संख्या में गणेश भक्त उपस्थित होकर बप्पा के स्वागत में लगे थे।

पालघर में 94 लाख रुपए का गुटखा जप्त !

पालघर : पालघर जिले में पुलिस ने 94 लाख रुपये की कीमत का गुटखा जब्त किया है जो एक प्रतिबंधित उत्पाद है और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस निरीक्षक सतीश शिवरकर ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को एक खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए यहां मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर मनोर में एक कंटेनर ट्रक की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि ट्रक के चालक ने फ्लाईओवर के जरिए गुजरात भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों ने किसी तरह उसे रोक दिया।

'स्वाइन फ्लू' से बड़ी संख्या में सूअरों की मौत !

मुंबई : पिछले कुछ दिनों से बुलढाणा शहर में बड़ी संख्या में सूअरों की मौत हो रही थी। इस बीच एक सूअर का पोस्टमार्टम किया गया तब पता चला कि उनकी मौत 'स्वाइन फ्लू' के कारण हो रही है। इसके बाद अब जिलाधिकारी ने आदेश दिया है कि प्रभावित क्षेत्र में आनेवाले सभी सूअरों को मौत के घाट उतारने के बाद उन्हें वैज्ञानिक तरीके से ठिकाने लगाया जाए। इस आदेश का अनुपालन करते हुए पशुपालन विभाग और बुलढाणा मनपा शहर के प्रभावित इलाकों में जीवित सूअरों को जिंदा ही ठिकाने लगा रही है। उल्लेखनीय है कि बुलढाणा शहर में पिछले एक महीने से हजारों सूअर अचानक मर रहे हैं। इस पर संदेह होने पर मनपा की ओर से मृत सूअरों के अंगों के नमूने जांच के लिए प्रायोगिक विद्यालय भेजे गए। इसके बाद जानकारी सामने आई है कि इन सभी सूअरों की मौत 'अप्रष्ठीकी स्वाइन फ्लू' बीमारी के कारण हुई है। प्रभारी जिलाधिकारी भाग्यश्री विसपुते ने इस संक्रमण को रोकने के लिए शहर के सभी सूअरों को मारने का आदेश दिया है। इसके मुताबिक जानकारी मिली है कि मनपा ने अब सभी सूअरों को खत्म करने के लिए दस लोगों की एक टीम बनाई है। इसी तरह अगले कुछ दिनों तक प्रभावित क्षेत्र में सूअरों पर पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा निगरानी रखी जाएगी। पशुपालन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक इसमें अगर कुछ सूअरों में कोई बीमारी या लक्षण दिखे तो उस इलाके के सूअरों को भी मौत के घाट उतार दिया जाएगा।

मनपा मुख्यालय के सामने विभिन्न मांगो को लेकर समाजसेवकों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन...

मुस्तकीम खान

भिवंडी : देश में अमृत महोत्सव के बाद भी भिवंडी शहर की जनता को बुनियादी सुविधाओं को लेकर कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी भिवंडी मनपा प्रशासन से बार-बार पत्राचार करने के बावजूद भी प्रशासन इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है जिसे लेकर समाज सेवक परसुराम पाल ने मनपा मुख्यालय के सामने एक दिवसीय धरना देते हुए मनपा प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया । इस दौरान समाजसेवक पाल ने मनपा अयुक्त को ज्ञापन देकर नाला सफाई में हुए भ्रष्टाचार व शहर में फैला कचड़ा अंबार पर प्रायवेट कंपनी द्वारा मनमाने कार्य की उच्च स्तरिय जांच की मांग की हैं ,पाल ने बताया कि भिवंडी मनपा में बैठे भ्रष्ट अधिकारी आरटीआई कार्यक्रताओं को गलत जानकारी देकर गुमराह करते हैं ऐसे अधिकारियों पर तुरंत कार्यवाही होनी चाहिए, सड़क की हालत बद से बत्तर है जैसे विभिन्न मुद्दों को लेकर परसुराम पाल ने विरोध प्रदर्शन किया जिसमे शहर के समाजसेव कपिल मिश्रा,सुरेंद्र मुले,अजय पालके,रहमतुल्लाह अंसारी,शिवम झा,व शहर के जागरूक नागरिक तथा महिलाओं व राजनितिक दल के नेताओं ने समर्थन पत्र दिया है ।

एसटी कर्मचारियों की नाराजगी, हर जिले में आमरण अनशन करने का निर्णय

मुंबई : सरकार द्वारा एसटी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता ३४ प्रतिशत से बढ़ाकर ३८ प्रतिशत कर दिया गया, इसके बावजूद एसटी कर्मचारियों की नाराजगी जस की तस है। एसटी कर्मचारियों का कहना है कि श्रम कानून के अनुसार महंगाई भत्ता ४२ फीसदी होने की उम्मीद थी। इसलिए महंगाई भत्ता और अन्य मांगों को लेकर एसटी कर्मचारियों ने ११ सितंबर से मुंबई में और फिर १३ सितंबर से हर जिले में आमरण अनशन करने का निर्णय लिया है। बता दें कि वर्तमान में आरक्षण की मांग

को लेकर मराठा समुदाय प्रदर्शन कर रहा है और सरकार अब तक कोई समाधान नहीं निकाल पाई है। इसलिए जहां पहले ही सरकार एक मोर्चे पर जूझ रही थी वहीं अब एसटी कर्मचारियों द्वारा भी आंदोलन करने की आशंका है। महाराष्ट्र एसटी कामगार संगठन की तरफ से एसटी महामंडल को आंदोलन करने का नोटिस दिया गया है। संगठन की तरफ से एसटी कर्मचारियों को भी सरकारी कर्मचारियों की तरह ४२ फीसदी महंगाई भत्ता और एरियर देने की मांग की जा रही है।

महाराष्ट्र एसटी कामगार संगठन के राज्य अध्यक्ष संदीप शिंदे का कहना है कि एसटी में श्रमिक समझौते के मुताबिक, कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों के बराबर ४२ फीसदी महंगाई भत्ता मिलना चाहिए,

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 12 सितंबर 2023

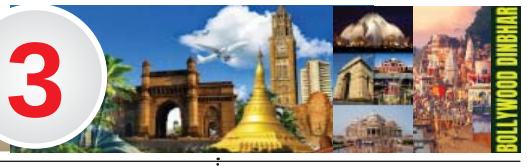

सायन स्थित प्रतीक्षा नगर सड़क के गड्ढे से लोग परेशान

मुंबई : बृहन्मुंबई मनपा शहर को स्वच्छ करने का दावा तो कर रही है लेकिन यह स्वच्छता कहीं नजर नहीं आ रही है। करोड़ों रुपए खर्च करके शहर के कोने-कोने में ब्यूटिफिकेशन करना या ट्रैफिक आयलैंड बनाना शायद मनपा या सरकार की नजर में यही स्वछता होगी। शायद इसीलिए सायन स्थित प्रतीक्षा नगर के बाबा रामदेव सोसायटी के बाहर मुख्य सड़क के गड्ढे और हमेशा यहां एकत्रित रहनेवाला गंदा पानी नजर नहीं आ रहा होगा। यह सड़क प्रतीक्षा नगर के मार्केट के रूप में भी पहचानी जाती है। यहां किराने की दुकान, हार्डवेयर, मेडिकल स्टोर, सब्जी मंडी इत्यादि जीवनावश्यक वस्तुओं की दुकानें मौजूद हैं, जिन पर लोगों की भीड़ लगी रहती है। ऐसे में यहां की मुख्य सड़क पर गड्ढे और कीचड़ होने से खरीदारी करने आए लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां बच्चे, बड़े-बूढ़े, महिलाएं सभी लोग शॉपिंग के लिए आते हैं।

रास्ता सही नहीं होने से लोगों को यहां चलने-फिरने में परेशानी होती है, दुकान के बाहर खड़े रहने में भी परेशानी होती है। दुकानदार कई बार इस बाबत शिकायत कर चुके हैं लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि कृपया इस छोटे लेकिन गंभीर मसले पर ध्यान दें और इस सड़क को जल्द से जल्द ठीक करें ताकि लोग आसान से होकर यहां से आ जा सके। इस गंदे पानी के जमाव के कारण बीमारियों के भी फैलने का डर बना रहता है। यदि सड़क सही हो जाती है तो लोग बीमारियों से भी बच जाएंगे।

गणेशोत्सव से पहले महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार...

एनसीपी विधायकों को मौका... जानें अजित पवार के खास का दावा

मुंबईः एनसीपी सांसद और अजित पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार गणेशोत्सव की शुरूआत में किया जाएगा। इस मंत्रिमंडल विस्तार में एनसीपी विधायकों को जिला संरक्षक मंत्री विभाग आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके दो डिप्टी-अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस-इस संबंध में निर्णय लेंगे।' यह पूछे जाने पर कि क्या उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और भाजपा मंत्री चंद्रकांत पाटिल के बीच कोई तनाव है, तटकरे ने कहा कि किसी भी तरह का कोई झगड़ा नहीं है।

रायगढ़ के सांसद ने कहा कि एनसीपी में हर कोई चाहता है कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें। उन्होंने कहा, 'यह हमारा सपना है कि वह मुख्यमंत्री बनें, लेकिन हम यथार्थवादी हैं और जल्दबाजी में नहीं हैं। हम महाराष्ट्र और राष्ट्रीय स्तर पर एनडीए के सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

हमें 2004 में पार्टी के एक नेता को मुख्यमंत्री बनाने का अवसर मिला था, लेकिन मुझे नहीं पता कि इसे क्यों नहीं लिया गया।'

अजित पवार ने फिर शरद पवार पर साधा निशाना

इधर अजित पवार ने दावा किया है कि एनसीपी के सभी विधायकों ने शरद पवार को पत्र लिखकर उस वक्त सरकार में शामिल होने का आग्रह किया था, जब उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सरकार जाने वाली थी। ठाकरे की एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना वाली महाविकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार एकनाथ शिंदे के बगावत करने पर पिछले साल जून में गिर गई थी। यह बगावत पिछले साल 21 जून से 30 जून तक चली थी, जब शिंदे भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से मुख्यमंत्री बने थे। शिंदे के नेतृत्व में हुई बगावत के दौरान राकांपा के कई विधायक गुजरात के सूरत, और वहां से असम ले जाये गए थे। अजित पवार ने कोल्हापुर में एक रैली में कहा, 'जब उद्धव ठाकरे की सरकार गिरने को थी, तब एनसीपी के लगभग सभी विधायकों ने पार्टी प्रमुख (शरद पवार) को पत्र लिख कर उनसे सरकार में शामिल होने का आग्रह किया था।'

'शिवसेना की तरह आयोग एनसीपीके लिए भी करेगा फैसला'

तटकरे ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) जैसे शिवसेना के मामले में किया, वैसे ही अजित गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता देगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनाव आयोग एक स्वतंत्र निकाय है और पार्टी के संविधान, संगठन और ताकत के आधार पर अपना निर्णय लेगा। हमें विश्वास है कि चुनाव आयोग हमारे पक्ष में फैसला करेगा।

महाराष्ट्र/ सातारा में तनाव, दो समुदायों में पथराव और आगजनी, इंटरनेट सेवा बंद

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सातारा में तनाव देखने को मिल रहा है. दो समुदायों में पथराव और आगजनी खबर है सामने आई है. एक व्यक्ति के घायल होने की भी सूचना है. सूत्रों के मुताबिक 15 अगस्त से सोशल मीडिया में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के पोस्ट के बाद से खटाव तालुका के पूसे सावली में तनाव चल रहा था. महापुरुषों के बारे में भी विवादित टिप्पणी की गई थी. जिसके बाद बीती रात मामला ज्यादा बढ़ गया और धार्मिक जगहों पर एक प्रार्थना स्थल मंदिर पर पथराव हुआ और विवाद बढ़ गयी. पुलिस ने बल प्रयोग किया और लोगों को हटाया. इस बीच आगजनी और तोड़फोड़ की घटना देखने को मिली. जिला पुलिस ने सावधानी बरतते हुए इंटरनेट बंद कर दिया है.

अपराधी कितना भी शातिर क्यों न हो सुराग छोड़ ही जाता है...

ठाणे : जिले के भिवंडी स्थित निजामपुर पुलिस के अंतर्गत आनेवाली यह घटना २० जनवरी २०२२ की है। पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी मिली कि भिवंडी पुल के नीचे एक बोरे में किसी शख्स की लाश मिली है। सूचना पाकर निजामपुर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जब बोरे को खोला गया तो उसमें से एक शख्स का शव मिला। मृतक की उम्र चालीस साल के आसपास रही होगी, जिसके शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान थे। शुरूआती जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के सामने कई तरह की मुश्किल थी, मसलन मृतक की पहचान का कोई आधार नहीं था और न ही मोबाइल फोन था। लेकिन उसकी पॉकेट से पेपर का एक छोटा सा टुकड़ा बरामद हुआ। पेपर का वो टुकड़ा मेडिकल प्रिसक्रिप्शन था। इसके अलावा पुलिस को मृतक के शरीर पर सुनहरे और लाल रंग के धब्बे मिले। उन धब्बों के जरिए पुलिस इस नतीजे पर पहुंचीं कि हो सकता है वो किसी पर्ल वर्कशॉप में काम करता रहा होगा। इसी को आधार बनाकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। पुलिस उस दवाई की दुकान पर पहुंची, जहां से मृतक ने दवा ली थी। फामेर्सी की मदद से डॉक्टर की पहचान हुई। लेकिन डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि उसे मरीज का चेहरा नहीं याद आ रहा है और सबसे बड़ी बात यह थी कि डॉक्टर के क्लिनिक के आसपास सीसीटीवी कैमरे भी नहीं थे। पुलिस को लगा कि अब किसी तरह का सुराग वहां से नहीं मिलने वाला है। यह सोच वह वापस लौटने लगी लेकिन उसी वक्त एक मरीज डॉक्टर के पास पहुंची। पुलिस ने उससे कुछ पूछा तो उसने बताया कि एक महिला अपने पति के बारे में पूछ रही थी जो पर्ल वर्कशॉप में काम करता था। इस जानकारी के बाद पुलिस उस महिला तक पहुंची। लेकिन उसने मृतक से किसी तरह के पहचान से इनकार कर दिया। हालांकि, पुलिस ने हिम्मत नहीं छोड़ी। उक्त महिला के बड़े बेटे को बुलाकर फोटो के जरिए शव की पहचान कराई गई, उसके बाद मृतक शख्स की पहचान शाह के नाम से हुई।

यह हत्याकांड पुलिस के लिए किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं था। नाटकीय मोड़, और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के बाद आखिर पुलिस आरोपियों तक पहुंच ही गई। पुलिसिया तफ्तीश में पहले सलमान नाम के एक शख्स को हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ के बाद पता चला कि उसका दोस्त तस्लीम अंसारी ही इस हत्याकांड का मास्टरमाइंड था। यही नहीं इस हत्याकांड में बिलाल अंसारी नाम का एक और शख्स भी शामिल था। पुलिस जांच में पता चला कि मृतक शाह की पत्नी का तस्लीम के साथ अवैध संबंध चल रहा था। जब शाह को इस बात की जानकारी मिली तो उसने पत्नी को थप्पड़ जड़ दिया था। इस बात से नाराज होकर तस्लीम ने शाह के मर्डर की साजिश रची थी। इस के लिए उसने अपने अन्य दोस्तों को साथ मिलाकर इस हत्या को अंजाम दिया। शाह की हत्या के बाद शव को ब्रिज के नीचे बोरे में भरकर फेंक दिया गया। पुलिस ने डेढ़ साल बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और इनके खिलाफ सारे सबूत जुटाने मे लगी है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत है जिसके आधार पर उन्हे कठोर सजा दिलाने का आग्रह कोर्ट से करेगी।

सबकुछ महंगा... हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं

मुंबई : देश में पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, रसोई गैस से लेकर दाल, तेल, दूध, चीनी, चावल, गेहूं, मसाले और सब्जियों तक हर चीज के दाम आसमान छू रहे हैं। बाजार में दाल पिछले मार्च महीने से लगातार महंगी हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार अगस्त २०२२ की तुलना में अगस्त २०२३ में अनाज की कीमतों में ९३ से १५३ तक की दरों से वृद्धि दर्ज हुई है। चीनी के दाम पिछले ६ वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। पिछले १५ दिनों में ही चीनी ३ प्रतिशत अधिक महंगी हुई है, तो वहीं चावल की कीमत १५ साल में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि कोविड महामारी, यूक्रेन में युद्ध और उत्पादन स्तर पर अल नीनो के प्रभाव के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतें बढ़ गई हैं। उस पर भारत ने जुलाई में गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की, जो उसके कुल निर्यात का लगभग एक चौथाई है। एफएओ ने एक मंथली रिपोर्ट में कहा कि जहां अगस्त में पूरी दुनिया में खाद्य कीमतों में कमी आई, वहीं चावल की कीमतों में पिछले महीने की तुलना में ९.८ प्रतिशत की बढ़ोतरी

हो गई। इसी तरह गेहूं के दाम भी रिकॉर्ड ऊंचाई की तरफ बढ़ रहे हैं।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में और वृद्धि होगी, विशेषज्ञ ऐसी आशंका जता रहे हैं। क्योंकि पहले ही खराब मौसम के कारण उत्पादन घटा हुआ है। उस पर चीन ने यूरिया के निर्यात पर रोक लगा दी है। तो वहीं माल की ढुलाई करने में इस्तेमाल किए जानेवाले कॉमर्शियल वाहन १० फीसदी तक महंगे हो गए हैं। मुंबईकरों के लिए समस्या और भी गंभीर हो रही है क्योंकि करीब साल भर पहले राज्य की घाती सरकार ने मुंबई के पांच एंट्री पाइंटों पर स्थित टोल बूथों को हटाने अर्थात टैक्स खत्म करने के संकेत दिए थे लेकिन अब सरकार ने अपना निर्णय बदल दिया है और टोल टैक्स बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

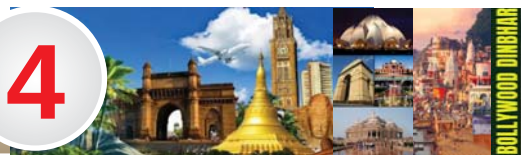

संजय राउत ने दोहराई राहुल गांधी की बात...

कहा- भाजपा का हिंदुत्व से कोई लेना-देना नहीं

महाराष्ट्र : आये दिन विपक्षी पार्टी के नेता भाजपा पर प्रहार करते नजर आते है, फिर चाहे वे कांग्रेस के नेता हो या फिर चाहे उद्धव गुट के नेता हो। ऐसे में अब भाजपा को लेकर फिर एक बार संजय राउत ने अपना बयान दिया है, जिसकी चर्चा हर जगह हो रही है। दरअसल यहां उन्होंने राहुल गांधी के नाम का सहारा लेते हुए भाजपा की तीखी आलोचना की है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) नेता और सांसद संजय राउत ने कहा है कि, राहुल गांधी ने कहा है कि भाजपा को हिंदुत्व से कोई लेना-देना नहीं है, और देश के लोगों को भी यही लगने लगा है। दंगे कराना, जाति-धर्म के आधार पर लोगों को तोड़ना, यह हिंदुत्व नहीं है। हम इसे हिंदुत्व नहीं मानते। हिंदुत्व एक संस्कार, संस्कृति है। यह धर्म सभी को साथ लेकर आगे बढ़ता है। अगर आपने यह सब खत्म कर दिया है तो आपको (भाजपा) हिंदुत्व पर बात करने का अधिकार नहीं। अगर राहुल गांधी ऐसा कहते हैं तो भाजपा को इस पर चिंतन बैठक करनी चाहिए। तरह हिंदुत्व को अपना मुद्दा बनाते हुए संजय राउत ने फिर एक बार भाजपा पर प्रहार किया है।

वसई विरार शहर मनपा मुख्यालय में टीकाकरण को लेकर हुई बैठक

वसई : कोई भी बच्चा बिना टीकाकरण से वंचित न रहे, टीकाकरण के अभाव में बच्चों की मृत्यु या बीमारी को रोकने और दिसंबर २०२३ तक खसरा और रूबेला उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने अगस्त २०२३ से ३ चरणों में सभी जिलों और महानगरपालिका में 'विशेष मिशन इंद्रधनुष ५.०' चलाया गया है। इस अभियान में टीकाकरण से पूर्णतः वंचित अथवा आंशिक टीकाकरण वाले सभी बच्चों तथा गर्भवती माताओं को खोजकर टीकाकरण किया जा रहा है। विशेष मिशन इंद्रधनुष ५.० अगले ३ महीनों में और पहले चरण में लागू किया जा रहा है। उक्त अभियान मनपा क्षेत्र में ७ से १२ अगस्त २०२३ तक चलाया गया। उक्त अभियान का दूसरा चरण वसई विरार शहर मनपा क्षेत्र में मनपा चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से चलाया गया। इसे ११ सितंबर से १६ सितंबर २०२३ तक लागू किया जाएगा.

इसके अनुसार ८ सितंबर २०२३ को आयुक्त अनिल कुमार पवार की अध्यक्षता में स्थायी समिति हॉल, मुख्यालय विरार में मनपा चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की एक विशेष बैठक आयोजित की गई थी. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.भक्ति चौधरी, आरसीएचओ डॉ. अश्विनी माने एसएमओ (डब्ल्यूएचओ) डॉ. किशोर चव्हाण, डॉ. जोशी मैडम (आईएमए अध्यक्ष विरार) और अन्य चिकित्सा अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। उक्त बैठक में आयुक्त ने द्वितीय चरण में किये जाने वाले टीकाकरण की योजना, टीकाकरण शिविरों के आयोजन, यू-विन एम्प के माध्यम से अभिभावकों को टीकाकरण की जानकारी देने पर चर्चा की।उपस्थित लोगों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दूसरे चरण में ० से २ वर्ष आयु वर्ग के टीकाकरण से वंचित या छूटे हुए लाभार्थी, २ से ५ वर्ष आयु वर्ग के वे बच्चे जिन्हें खसरा रूबेला टीका की पहली और दूसरी खुराक और डीपीटी और ओरल की बूस्टर खुराक मिल चुकी है। पोलियो वैक्सीन का टीकाकरण किया जाएगा। इस अभियान में यह सुझाव दिया गया है कि जिन क्षेत्रों में साल भर से खुराक नहीं मिली है, टीकाकरण से इनकार कर दिया गया है और अनुत्तरदायी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाने चाहिए बैठक में आयुक्त ने कहा। साथ ही सभी नागरिकों को अपने ० से ५ वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण कराकर मनपा का सहयोग करना चाहिए ताकि नागरिक अपने बच्चों को स्वस्थ रख सकें और बच्चे स्वस्थ रहें।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क दुर्घटना में युवक की मौत... 9 घायल

कोल्हापुर : महाराष्ट्र में कोल्हापुर-रत्नागिरी राजमार्ग पर अंबेवाड़ी के पास शनिवार को एक कार, ऑटोरिक्शा और दोपहिया सहित तीन वाहनों के बीच हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में 20 वर्षीय एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अंबेवाड़ी में एक कार, ऑटोरिक्शा और दोपहिया वाहन के बीच हुई जबरदस्त टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और नौ अन्य लोग घायल हो गए। उन सभी को इलाज के लिए छत्रपति प्रमिला राजे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक की पहचान जिले के पन्हाला तहसील के दरेवाडु गांव निवासी पंकज भाऊसाहेब जाधव (20) के रूप में हुई। सूत्रों ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

मिलावटी पनीर जब्त...नकली खाद्य पदार्थ बेचने वाले गिरोह सक्रिय

ठाणे : त्योहारी सीजन आते ही नकली खाद्य पदार्थ बेचने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं। पनीर के नाम पर बाजारों में सफेद जहर बेचा जा रहा है। इस त्योहारी सीजन में सभी लोग अपने घरों में अधिकांश पनीर से बनी हुई सब्जियां खाते हैं या फिर होटलों में भी पनीर से बने खाद्य पदार्थों का ही ऑर्डर देते हैं। इसे देखते हुए मार्केट में नकली पनीर को बड़ी मात्रा में खपाने की योजना नकली खाद्य पदार्थ बेचने वाले गिरोहों की रहती है। इसी कड़ी में ठाणे में जिला खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए ४ लाख १ हजार ३७४ रुपए कीमत का नकली पनीर, दूध और अन्य सामग्री जब्त की है। विभाग की एक टीम ने ठाणे के वागले एस्टेट क्षेत्र में दो दूध डेयरियों का औचक निरीक्षण किया और पाया गया कि पनीर का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था।

बता दें कि ठाणे जिले में दूध और दूध उत्पादों में मिलावट को रोकने के लिए अतिरिक्त कलेक्टर मनीषा जायभाये-धुले की अध्यक्षता में एक

जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन कोकण प्रभाग के संयुक्त आयुक्त (खाद्य) सुरेश देशमुख के मार्गदर्शन में वागले एस्टेट में ठाणे प्रभाग के केवला डेयरी का निरीक्षण किया। पता चला है कि यहां गंदगी भरे माहौल में पनीर का उत्पादन किया जा रहा है। इस स्थान पर भैंस के दूध और पनीर बनाने में प्रयुक्त पनीर के नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही ४५ हजार ३१६ रुपए की कीमत का ५९८ लीटर दूध और ७९ किलो पनीर जब्त किया गया। इसमें दूध का स्टॉक खराब होने के कारण नष्ट कर दिया गया। देशमुख ने बताया कि वागले इस्टेट से खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने यादव मिल्क प्रोडक्ट्स का निरीक्षण किया। यहां पाया गया कि पनीर और पनीर एनालॉग्स का निर्माण बिना अनुमति के बेहद अस्वच्छ वातावरण में किया जा रहा है। जगह की सफाई न होने और अनुमति मिलने तक फार्म को बंद रखने का आदेश दिया गया है। यहां पनीर, पनीर एनालॉग, स्किम्ड मिल्क, साइट्रिक एसिड, मोनोसोडियम ग्लूटेन, रिफाइंड पामोलीन ऑयल के सैंपल लिए गए।

संयुक्त आयुक्त सुरेश देशमुख के अनुसार करीब ३ लाख ५६ हजार ५८ रुपए कीमत का पनीर, पनीर एनालॉग्स, दूध, रिफाइंड पाम ऑयल और अन्य स्टॉक जब्त किया गया है। साथ ही ३८२ किलोग्राम पनीर और पनीर एनालॉग, २८ लीटर दूध, साइट्रिक एसिड, २८९३.४ किलोग्राम रिफाइंड पाम ऑयल आदि के स्टॉक जब्त किए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मिलावटी पनीर बनाने के लिए पाम ऑयल, शैम्पू, डिटर्जेन्ट पाउडर, इजी, सोडा आदि का उपयोग किया जाता है। जो कि स्वास्थ्य के लिए न केवल हानिकारक होते हैं बल्कि जानलेवा भी होते हैं।

कल्याण रेलवे आरपी एफ पुलिस एक्शन मोड पर

महिला एवं विकलांग कोचों में यात्रा कर रहे 276 यात्रियों को हिरासत में ले लिया गया

कल्याण : यहां तक कि जब रेलवे के विकलांग डिब्बों में अन्य यात्रियों को यात्रा करने से मना किया जाता है, तब भी अन्य यात्री व्यस्त घंटों के दौरान यात्रा करते हैं। रेलवे प्रशासन की ओर से ऐसे यात्रियों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती है और उन्हें कोर्ट में पेश किया जाता है. हालाँकि, चूंकि इन यात्रियों को कार्रवाई के तुरंत बाद अदालत में पेश करने का प्रावधान है, इसलिए यह कार्रवाई केवल दिन के दौरान होती है और यदि कार्रवाई रात में की जाती है, तो सवाल उठता है कि अदालत शुरू होने तक इन यात्रियों को कहां रखा जाए।

पिछले कुछ दिनों से रेलवे प्रशासन को मिल रही शिकायत के अनुसार, कल्याण रेलवे आरपीएफ के वरिष्ठ बोर्ड सुरक्षा आयुक्त ऋषि कुमार शुक्ला और सहायक सुरक्षा आयुक्त, कल्याण टी रामचंद्रन ने कल ठाणे, डोंबिवली, कल्याण

और बदलापुर रेलवे स्टेशनों पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कार्रवाई की। दिव्यांग कोचों में। ठाणे (72), डोंबिवली (67), कल्याण (80) और बदलापुर (57) के 276 यात्रियों को हिरासत में लिया गया। लेकिन सवाल यह खड़ा हुआ कि सुबह अदालतों का काम शुरू होने तक 10 से 12 घंटे तक इन सभी यात्रियों को कहां रखा जाए. इसके चलते रेलवे प्रशासन ने विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट को ही कल्याण रेलवे कोर्ट का जज नियुक्त करने का निर्णय लिया. एस। चोपड़ा के सहयोग से रात्रि में न्यायालय चलाकर एवं आवश्यक कर्मचारियों को बुलाकर रात्रि में ही न्यायालय आयोजित कर आरपीएफ द्वारा पकड़े गये 276 यात्रियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए उन्हें रिहा करने का निर्देश देते हुए निर्देश दिये कि यदि वे दोबारा नियमों का पालन नहीं करेंगे तो उन्हें कारावास की सजा दी जायेगी. उन्होंने यह भी बताया कि चूंकि यात्रियों की सुरक्षा रेलवे के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए भविष्य में जरूरत पड़ने पर ऐसी कार्रवाई की जाएगी.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com